Perspectives – A Peer-Reviewed, Bilingual, Interdisciplinary E-Journal

Janki Devi Memorial College

University of Delhi

eISSN 2583 - 4762

Call For Papers

Issue V: Disability Studies

Perspectives is a bilingual double-blind peer-reviewed, annual E-journal published by Janki Devi Memorial College, University of Delhi with eISSN 2583 - 4762.

Disability Studies is a dynamic and interdisciplinary field, interrogating the entrenched norms of race, gender, and ableism. It seeks to challenge longstanding societal structures shaped by ableism, which have governed policies, institutions, and interactions for centuries. By questioning binaries and divisions, Disability Studies provides a framework to recognize and dismantle systems of marginalization and discrimination.

This issue of *Perspectives* invites papers that explore the diverse dimensions of disability, advocating for a more inclusive society where differences are embraced and marginalized voices are central to social change. We encourage an examination of disability as a spectrum of experiences and identities, extending beyond physical impairments to include mental health challenges such as depression and grief. For instance, papers could engage with literary depictions of disability or depression in canonical texts, like Ibsen and their effect on our understanding of the human condition. Similarly, ancient Indian literature portrayal of figures like *Shakuni* and *Dhritrashtra* wherein an understanding of disabilities as karmic consequences has been prevalent can be interrogated. In modern and contemporary Indian history, the ways in which disability and ableism have been woven into the broader contexts of caste, gender, and class is a possible area of exploration.

These depictions invite us to reconsider what qualifies as a disability. Is disability purely physical, or does it encompass broader social exclusions, such as limited access to knowledge, public spaces, and opportunities? This inquiry is crucial in addressing ableism and understanding how social structures can perpetuate forms of disability.

We seek submissions that engage with these themes, and explore the intersection of disability, power, and identity while envisioning societal transformations that promote equality and inclusivity. We welcome contributions that address these themes through critical analysis, historical case studies, interrogation of social hierarchies, or explorations of how disability has been represented in political movements, public policy, or cultural production throughout India's history. Interdisciplinary perspectives are encouraged to critique and reimagine the systems of power that define and limit what we recognize as disability.

Perspectives – A Peer-Reviewed, Bilingual, Interdisciplinary E-Journal

Janki Devi Memorial College

University of Delhi

eISSN 2583 - 4762

We invite original and unpublished research papers and review articles from various disciplines of Humanities, Languages and Social Sciences on the theme of Disability Studies for publication in the forthcoming issue to be released in May 2025. The articles should be original research work revolving around the theme of the issue.

A list of suggested topics are given below.
Submission guidelines on page 3

- Representation of Disability in Media and Literature
- Historical Perspectives on Disability
- Disability and Education
- Disability and Technology
- Disability and Employment
- Disability and Law
- Disability and Identity
- Health and Disability
- Disability in Global Contexts
- Disability and Activism
- Disability and Family Dynamics
- Disability and the Built Environment

These topics can be adapted and narrowed down based on specific interests, disciplinary approaches, or particular case studies, providing a solid foundation for in-depth research in disability studies.

In addition to research articles, Perspectives also invites book reviews and film reviews, as well as creative pieces / personal thoughts raising critical questions that pertain to the theme of the issue. These would be included under the journal section called *Conversations.*

Perspectives – A Peer-Reviewed, Bilingual, Interdisciplinary E-Journal

Janki Devi Memorial College

University of Delhi

eISSN 2583 - 4762

Guidelines for submission

1. Manuscripts (including references) should be prepared in Microsoft Word, Times New Roman font, 12 point size, and should be sent to us via email.
2. The text should be submitted only when it is complete in all respects, including all relevant preliminary matter, all documents provided by the publisher (including illustrations and copyright permissions, Contract, etc).
3. Preliminary matter should include all of the following and in this order:

- The title page with the title and subtitle and your name as author or editor
- List of abbreviations, plates, figures, maps and tables.
    - An abstract of 150-200 words.
    - Please provide 80-100 word bio note with postal address, e-mail and phone details. This note should be on a separate document, not included in the main body of the paper.
    - Name of the contributor should not appear anywhere in the main body of the paper.
    - The papers will be sent for blind peer review after being selected for publication. The decision of the editorial board will be final in accepting or rejecting the article.

Email address for submission of abstracts: perspectives.jdmc@gmail.com

Final date for submission of abstracts: September 30, 2024

Intimation of acceptance of abstracts: October 10, 2024

Final Date for submission of papers: November 10, 2024

Perspectives Website - https://perspectives-jdmc.in/

Perspectives – A Peer-Reviewed, Bilingual, Interdisciplinary E-Journal
Janki Devi Memorial College
University of Delhi
ई आईएसएसएन 2583 - 4762

शोध पत्र आमंत्रण

अकं **V:** दिव्यांग्ता अध्ययन

दिव्यांगता अध्ययन एक गतिशील और बहु-विषयक क्षेत्र है, जो नस्ल, लिंग और सक्षमता के जड़ जमाए हुए मानदंडों की जांच करता है। यह लंबे समय से स्थापित सामाजिक संरचनाओं को चुनौती देता है - जिन्हें सक्षमवाद द्वारा आकार दिया गया है - जिन्होंने सदियों से नीतियों, संस्थानों और परस्पर संपर्क को नियंत्रित किया है। दिव्यांगता अध्ययन, द्विआधारी और विभाजनों पर सवाल उठाकर, हाशिए पर डाले जाने और भेदभाव की प्रणालियों को पहचानने और उन्हें खत्म करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है।

पर्सपेक्टिव्स का यह अंक ऐसे शोधपत्र आमंत्रित करता है जो दिव्यांगता के विविध आयामों की खोज करते हैं और मतभेदों को स्वीकार करने वाले अधिक समावेशी समाज की वकालत करते हैं जहां हाशिये पर रहने वाली आवाज़ें सामाजिक परिवर्तन के केंद्र में होती हैं। हम दिव्यांगता को अनुभवों और अस्मिता के एक स्पेक्ट्रम के रूप में जांचने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो शारीरिक दुर्बलताओं से परे, अवसाद और शोक जैसी मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों को भी शामिल करता है। उदाहरण के लिए, शोधपत्र दिव्यांगता या अवसाद के साहित्यिक चित्रणों की जांच कर सकते हैं। मिसालत: *इब्सन* जैसी प्रमुख साहित्यिक कृतियों में अवसाद के रूपक या प्राचीन भारतीय साहित्य के शकुनी और धृतराष्ट्र जैसे पात्र, जिनकी दिव्यांगता को उनके पिछले कर्मों के परिणामस्वरूप देखा गया था, किस प्रकार मानव समझ को आकार देते हैं। इसी प्रकार आधुनिक और समकालीन भारतीय इतिहास में दिव्यांगता और सक्षमवाद को जाति, लिंग, और वर्ग के व्यापक संदर्भों में कैसे गुथा-बुना गया है पर भी ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

ये चित्रण हमें दिव्यांगता की परिभाषा पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। क्या दिव्यांगता क्या केवल शारीरिक होती है, या क्या इसमें व्यापक सामाजिक बहिष्कार भी शामिल है, जैसे ज्ञान, सार्वजनिक स्थानों और अवसरों तक सीमित पहुंच? यह जांच सक्षमतावाद को संबोधित करने और यह समझने में महत्वपूर्ण है कि कैसे सामाजिक संरचनाएँ दिव्यांगता के मौजूदा प्रारूपों को बनाए रख सकती हैं।

हम ऐसे लेख आमंत्रित करते हैं जो इन विषयों पर चर्चा करते हैं और दिव्यांगता, शक्ति, और पहचान के बीच संबंधों की जांच करते हैं, साथ ही ऐसे सामाजिक बदलावों की कल्पना करते हैं जो समानता और समावेशिता को बढ़ावा दें। हम उन लेखों का स्वागत करते हैं जो आलोचनात्मक विश्लेषण, ऐतिहासिक अद्धयन, सामाजिक पदानुक्रम की जांच, या भारत के

इतिहास में राजनीतिक आंदोलनों, नीतियों, या सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिव्यांगता को कैसे दिखाया गया है, इस पर आधारित हों । हम विभिन्न क्षेत्रों से और बहु-विषयक दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करते हैं ताकि उन शक्ति संरचनाओं की समीक्षा की जा सके जो दिव्यांगता को परिभाषित और सीमित करती हैं।

वर्तमान अंक के लिए कुछ प्रस्तावित विषयों की सूची भी नीचे दी गई है।

- मीडिया और साहित्य में दिव्यांगता का प्रतिनिधित्व
- दिव्यांगता का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- दिव्यांगता और शिक्षा
- दिव्यांगता और प्रौद्योगिकी
- दिव्यांगता और रोजगार
- दिव्यांगता और कानून
- दिव्यांगता और अस्मिता
- स्वास्थ्य और दिव्यांगता
- वैश्विक संदर्भों में दिव्यांगता
- दिव्यांगता और सामाजिक सक्रियता
- दिव्यांगता और पारिवारिक संदर्भ
- दिव्यांगता के लिए उपलब्ध व स्थापित परिवेश

शोध लेखों के अतिरिक्त पर्सपेक्टिव्स, पुस्तक समीक्षाओं और फिल्म समीक्षाओं के साथ-साथ रचनात्मक अंशों/व्यक्तिगत विचारों को भी आमंत्रित करता है जो इस संस्करण के विषय से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हैं।
इन्हें जर्नल के *Conversations* अनुभाग के अंतर्गत शामिल किया जाएगा ।

Perspectives – A Peer-Reviewed, Bilingual, Interdisciplinary E-Journal
Janki Devi Memorial College
University of Delhi
ई आईएसएसएन 2583 - 4762

आलेख जमा करने हेतु दिशानिर्देश

1. पांडुलिपियाँ (संदर्भ सहित) माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, यूनिकोड फ़ॉन्ट, 12 पॉइंट आकार में तैयार की जानी चाहिए, और हमें ईमेल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।
2. उन्हीं आलेखों पर विचार किया जाएगा जो यह सभी प्रासंगिक प्रारंभिक अहर्ताओं, प्रकाशक द्वारा प्रदान किए गए सभी दस्तावेज़ों (चित्रण और कॉपीराइट अनुमतियाँ, अनुबंध इत्यादि) सहित सभी प्रकार से पूर्ण हो।
3. प्रारंभिक अहर्ताओं में निम्नलिखित में से सभी इस क्रम में शामिल होने चाहिए:
    - शीर्षक और उपशीर्षक के साथ शीर्षक पृष्ठ और लेखक या संपादक के रूप में आपका नाम
    - संक्षिप्ताक्षरों, प्लेटों, आकृतियों, मानचित्रों और तालिकाओं की सूची।
    - 150-200 शब्दों का सार
    - कृपया पता, ई-मेल और फोन विवरण के साथ 80-100 शब्दों का व्यक्तिवृत् एक अलग पृष्ठ पर दें।
    - योगदानकर्ता का नाम पेपर के मुख्य भाग में कहीं भी नहीं दिखना चाहिए।

प्रकाशन के लिए चुने जाने के बाद पेपर को ब्लाइंड पीयर रिव्यू के लिए भेजा जाएगा। लेख को स्वीकार या अस्वीकार करने में संपादकीय बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा।

सार प्रस्तुत करने के लिए ईमेल पता: perspectives.jdmc@gmail.com
सार प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि: 30 सितम्बर, 2024
सार-संक्षेप की स्वीकृति की सूचना: 10 अक्टूबर, 2024
पूरा आलेख जमा करने की अंतिम तिथि: 10 नवंबर, 2024
जर्नल वेबसाइट - https://perspectives-jdmc.in/